

वधूपक्ष पुं. (तत्.) विवाह के समय वधू के रिश्तेदार तथा उनके मित्र आदि का समूह जो वर के स्वागत के लिए तैयार रहता है।

वधूशुल्क पुं. (तत्.) विवाह के समय (दहेज के विपरीत) वरपक्ष की ओर से वधू के पिता को दिया जाने वाला धन टि. इस प्रकार के विवाह को स्मृतियों में आसुर विवाह कहा गया है तु. मेहर।

वध्यवि. (तत्.) वध के योग्य।

वध्यमाला स्त्री. (तत्.) वध्य (मृत्यु दंड प्राप्त व्यक्ति) को वधस्थान तक ले जाते समय उसे पहनाई जाने वाली कनेर के फूलों की माला टि. संस्कृत के 'मृच्छकटिकम्' नामक नाटक में इसका वर्णन प्राप्य है।

वन पुं. (तत्.) 1. घने वृक्षों और हिंसक पशुओं से युक्त क्षेत्र 2. बगीचा 3. पानी।

वनकरि/वनकरी/वनकुंजर/वनगज पुं. (तत्.) जंगली हाथी।

वनकुक्कुट पुं. (तत्.) वनमुर्ग, जंगली मुर्गा।

वनखंड पुं. (तत्.) वन का एक क्षेत्र या भाग, वनप्रांतर।

वनखंडी पुं. (तत्.) वनखंड।

वनगमन पुं. (तत्.) सामान्य मानव बस्ती से दूर वन में जाने की क्रिया।

वनगुल्म पुं. (तत्.) जंगली पौधे, वनस्पति।

वनगोचर वि. (तत्.) वन में रहने वाले या विचरण करने वाले (ऋषि-मुनि)।

वनचंदन पुं. (तत्.) 1. अगरु का वृक्ष या उसकी लकड़ी 2. देवदारु का वृक्ष।

वनचर पुं. (तत्.) जंगली पशु दे. वनगोचर।

वनचारी पुं. (तत्.) दे. वनगोचर।

वनज वि. (तत्.) 1. वन में उत्पन्न वृक्ष, वनस्पति, ओषधि, फल, पशु-पक्षी इत्यादि 2. पानी में उत्पन्न

कमल, जीव, वनस्पति आदि 3. जंगली हाथी 4. नीलकमल।

वनजा स्त्री. (तत्.) 1. अश्वगंधा, असगंध 2. वनतुलसी 3. निर्गुंडी 4. कंटियारी टि. ये सभी वनौषधियाँ हैं।

वनजीवी पुं. (तत्.) केवल वनोत्पादों पर आजीविका चलाने वाला जैसे- लकड़हारा, बहेलिया, वनौषधियाँ चुनकर उन्हें बेचने वाला, शहद इकट्ठा करने वाला आदि।

वनद पुं. (तत्.) वन (पानी) देने वाला मेघ, बादल।

वनदाभ वि. (तत्.) काले मेघों जैसी आभा वाला जैसे- वनदाभ विष्णु।

वनदेव पुं. (तत्.) वन का अधिष्ठाता देवता।

वनधान्य पुं. (तत्.) जंगली अनाज।

वनपाल पुं. (तत्.) वन के पशुओं तथा अन्य वनोत्पादों की देखभाल करने वाला सरकारी अधिकारी।

वनपिप्पली स्त्री. (तत्.) 1. बंगाल के वनों में पैदा होने वाला छोटे आकार का पीपल 2. पिप्पली नामक प्रसिद्ध ओषधि, ऐसा फल जो आकृति में शहतूत के फल की तरह होता है, यह मसाले के रूप में भी प्रयुक्त होता है।

वनप्रिय पुं. (तत्.) कोयल, पिक।

वनमहोत्सव पुं. (तत्.) वनों के विस्तार के लिए नए वृक्ष रोपने का सामूहिक कार्यक्रम।

वनमातंग पुं. (तत्.) जंगली हाथी।

वनमाला स्त्री. (तत्.) 1. जंगल के फूलों की लंबी माला, टि. श्रीकृष्ण वनमाला पहनते थे, इसी कारण उनका नाम वनमाली पड़ गया।

वनमाली पुं. (तत्.) श्रीकृष्ण दे. वनमाला।

वनमुर्ग पुं. [तत्.+फा.] मुर्गे की एक प्रजाति जो जंगल में जलाशयों के निकट या पहाड़ों की तलहटी में पाई जाती है, इसके सिर पर कलगी तथा गले के नीचे लटकती हुई दो थैलियाँ होती हैं टि. भारत में इनके दो प्रकार मिलते हैं-